17-विश्व में भारत

87FR58

हमारी पृथ्वी-महासागर एवं महाद्वीप-

हमारे पृथ्वी लगभग गोल आकार की हैं। पृथ्वी का गेंद जैसा गोल आकार का लघु प्रतिरूप ग्लोब कहलाता है। आइए ग्लोब को देखें-

ग्लोब पर अनेक रंग-बिरंगी आकृतियाँ बनी हैं। ये आकृतियाँ पृथ्वी पर महाद्वीपों एवं महासागरों को दिखाती हैं। ग्लोब का अधिकांश भाग नीले रंग से रंगा दिखाई दे रहा है। यह भाग पृथ्वी पर विशाल जलराशियों अथवा महासागरों को प्रदर्शित करता है। शेष भाग स्थल को दर्शाता है। हमारी पृथ्वी के लगभग 71 प्रतिशत भाग पर जल एवं शेष लगभग 29 प्रतिशत भाग पर स्थल है। बड़े-बड़े स्थलीय भाग महाद्वीप हैं। महाद्वीप, महासागरों द्वारा अलग किए जाते हैं।

चित्र 7.1 विश्व में भारत

पृथ्वी पर पाँच महासागर एवं सात महाद्वीप हैं। आइए ग्लोब एवं विश्व के मानचित्र पर इन्हें पहचानें-

पृथ्वी पर पाँच महासागर क्रमशः प्रशान्त महासागर, अटलांटिक महासागर, हिन्द महासागर, आर्कटिक महासागर एवं दक्षिणी महासागर हैं। इनमें से प्रशान्त महासागर सर्वाधिक विस्तृत एवं सबसे गहरा है। यह सम्पूर्ण पृथ्वी के लगभग एक तिहाई भाग पर फैला है। इसका सबसे गहरा स्थान मेरियाना गर्त है जो लगभग 11 किलोमीटर गहरा है।

पृथ्वी के लगभग 29 प्रतिशत भाग पर फैला स्थल सात महाद्वीपों में विभाजित है। ये महाद्वीप क्रमशः एशिया, यूरोप, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, आस्टेªलिया एवं अंटार्कटिका हैं। इनमें एशिया सबसे बड़ा महाद्वीप है। हिमालय पर्वत पर स्थित विश्व की सर्वोच्च पर्वत चोटी माउन्ट एवरेस्ट इसी महाद्वीप पर है। इसकी ऊचाई 8848 मीटर है। एशिया में विश्व की लगभग 59 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। विश्व के मानचित्र को देखिए हमारा देश भारत एशिया महाद्वीप में स्थित हैं।

पृथ्वी का धरातल पर्वत, पठार एवं मैदान से युक्त है। सामान्यतः आस-पास के धरातल से ऊँचे उठे भाग, पर्वत कहलाते हैं। इनका शिखर संकुचित अथवा शंक्वाकार होता है। पर्वत साधारणतया समूह में पाए जाते हैं। इन्हें पर्वत श्रेणी कहते हैं। पहाड़ियों की ऊँचाई पर्वतों से कम होती है।

विश्व की कुछ प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ-हिमालय, कुनलुन, हिन्दुकुश, कराकोरम, एटलस, ड्रेकेन्सबर्ग, युराल, आल्पस, काकेशस, रॉकीज, अपलेशियन, ग्रेड डिवाइडिंग रेंज, एण्डीज आदि हैं। अध्यापक की सहायता से इन्हें विश्व मानचित्र पर पहचानिए।

निर्देश- शिक्षक ग्लोब एवं विश्व मानचित्र द्वारा महासागरों, महाद्वीपों एवं अपने देश भारत की तुलनात्मक अवस्थिति ्पष्ट करें तथा बच्चों द्वारा इसका अभ्यास कराएँ।

इसे भी जानेँ -

- ग्लोब का कागज पर समतल प्रस्तुतिकरण मानचित्र कहलाता है।
- पृथ्वी पर बहुत बड़े स्थल खण्डों को महाद्वीप एवं विशाल जलराशियों को महासागर कहते हैं।

पृथ्वी पर तुलनात्मक रूप से ऊँचे उठे चैरस स्थल भाग पठार कहलाते हैं। प्रायः पठार का ऊपरी भाग ऊबड़-खाबड़ होता है। इनके किनारे सामान्यतः खड़े ढाल वाले होते हैं।

पिछली कक्षा में आप पढ़ चुके हैं कि हमारे प्रदेश का दक्षिणी भाग पठार है।

विश्व के कुछ प्रमुख पठार-पामीर का पठार, तिब्बत का पठार, भारत में दक्कन का पठार, ईरान का पठार, अरब का पठार, कोलोरेडो पठार, कोलम्बिया पठार, ब्राजील की उच्च भूमि, बोलिविया का पठार एवं पश्चिम आस्ट्रेलिया का पठार हैं। अफ्रीका महाद्वीप का अधिकांश भाग पठारी है। इन पठारों को विश्व मानचित्र पर पहचानिए।

धरातल पर समतल परन्तु निचला भाग मैदान कहलाता है। प्रायः मैदान का निर्माण नदियों द्वारा लाई गई मिट्टी से होता है। आप पिछली कक्षा में उत्तर प्रदेश के मैदानी भाग के बारे में जानकारी प्राप्त कर चुके हो। विश्व के कुछ प्रमुख मैदान-सिन्धु गंगा ब्रह्मपुत्र का मैदान, यूरोप का मध्यवर्ती मैदान, उत्तरी अमेरिका का मध्यवर्ती मैदान, ह्वांगहों का मैदान आदि हैं। अध्यापक की सहायता से इन्हें विश्व मानचित्र पर पहचानिए।

विश्व की कुछ प्रमुख नदियाँ गंगा, सिन्धु, सतलज, ब्रह्मपुत्र, यमुना, गोदावरी, इरावदी, मेकांग, ह्वांगहों, नील, जायर, जाम्बेजी, लिम्पोपो, पराना, परागुए, अमेजन, मिसीसिपी-मिसौरी, सेंटलारेंस, डेन्यूब, टेम्स, राइम, वोल्गा आदि हैं। नील नदी विश्व की लम्बी नदी है। अध्यापक की सहायता से विश्व मानचित्र पर इन नदियों का अवलोकन करें।

हमारा देश-भारत-

अगले पृष्ठ पर दिए गए मानचित्र में अपने देश-भारत एवं उसके पड़ोसी देशों को देखिए। हमारे पड़ोसी देश क्रमशः अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, नेपाल, भूटान, म्यांमार, बांग्लादेश, श्रीलंका एवं मालदीव हैं। भारत का दक्षिणी भाग तीन ओर से समुद्र से घिरा है। पूरब में बंगाल की खाड़ी, पश्चिम में अरब सागर तथा दक्षिण में हिन्द महासागर है। हिन्द महासागर का नाम हमारे देश भारत के नाम पर पड़ा है। मानचित्र देखो एवं भारत के पड़ोसी देशों के नाम लिखें-

पश्चिम में .. एवं .. उत्तर में .. , .. एवं .. पूरब में .. एवं .. दक्षिण में .. एवं ..।

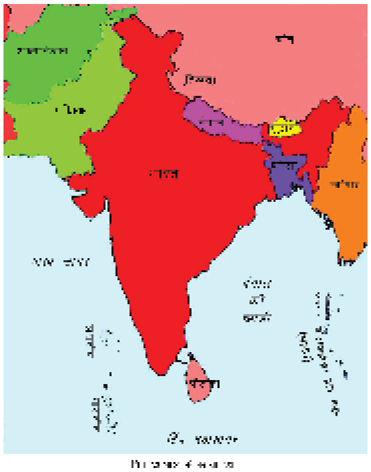

चित्र 7.3 भारत के पड़ोसी देश

भारत में 29 राज्य एवं 07 केन्द्रशासित प्रदेश हैं। इनका विवरण निम्नलिखित हैं-

क्र0सं0 राज्य का नाम राजधानी क्र0सं0 राज्य का नाम राजधानी

1. आन्ध्र प्रदेश - हैदराबाद 15. महाराष्ट्र- मुम्बई
2. अरूणाचल प्रदेश -ईटानगर 16. मणिपुर- इम्फा
3. असोम -दिसपुर 17. मेघालय- शिलांग
4. बिहार- पटना 18. मिजोरम- आइजोल
5. छत्तीसगढ़ -रायपुर 19. नागालैण्ड- कोहिमा
6. गोवा- पणजी 20. ओडिशा -भुवनेश्वर
7. गुजरात- गाँधीनगर 21. पंजाब -चण्डीगढ़
8. हरियाणा -चण्डीगढ़ 22. राजस्थान- जयपुर
9. हिमाचल प्रदेश- शिमला 23. सिक्किम- गंगटोक
10. जम्मू एवं कश्मीर- श्रीनगर (ग्रीष्मकालीन) 24. तमिलनाडु -चेन्नई
एवं जम्मू (शीतकालीन)
11. झारखण्ड -रांची 25. तेलंगाना- हैदराबाद
12. कर्नाटक- बंगलुरू 26. त्रिपुरा- अगरतला
13. केरल -तिरूअनन्तपुरम 27.उत्तर प्रदेश- लखनऊ
14. मध्य प्रदेश- भोपाल 28.उत्तराखण्ड- देहरादून
29. पश्चिम बंगाल- कोलकाता

क्र0सं0	केन्द्रशासित प्रदेश का नाम	राजधानी
1.	अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह	पोर्टब्लेयर
2.	चण्डीगढ़	चण्डीगढ़
3.	दादरा और नगर हवेली	सिलवासा
4.	दमन और दीव	दमन
5.	दिल्ली	दिल्ली
6.	लक्षद्वीप	कवारत्ती
7.	पुदुच्चेरी	पुदुच्चेरी

भारत की राजधानी नई दिल्ली है। यहाँ राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, सर्वोच्च न्यायालय एवं अन्य प्रमुख प्रशासनिक मुख्यालय स्थित हैं।

हमारा देश भारत प्राकृतिक रूप से विविधताओं से भरा है। यहाँ ऊँचे पर्वत, विशाल मैदान, पठार एवं मरूस्थल पाए जाते हैं। प्राकृतिक संरचना के आधार पर भारत को पाँच भागों में बाँटा जाता है-

1. उत्तर का पर्वतीय भाग
2. उत्तर का विशाल मैदान
3. थार का मरूस्थल
4. दक्षिण का पठारी भाग
5. तटीय मैदान एवं द्वीपसमूह

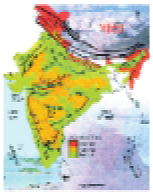

1. उत्तर का पर्वतीय भाग- इसका विस्तार भारत के उत्तर में जम्मू एवं कश्मीर से लेकर अरूणाचल प्रदेश तक है। इसे हिमालय पर्वत के नाम से जाना जाता है। हिमालय पर्वतमाला तीन समानान्तर पर्वत श्रेणियों से मिलकर बनी है। ये क्रमशः वृहत हिमालय या हिमाद्री, हिमाचल या मध्य हिमालय एवं शिवालिक हैं। उत्तर के मैदानी भाग में बहकर आने वाली अधिकांश नदियों का उदगम स्थल हिमालय है।

2. उत्तर का विशाल मैदान- इसका निर्माण हिमालय से बहकर दक्षिण की ओर आने वाली तथा पठार से बहकर उत्तर की ओर आने वाली नदियों के साथ आई उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी से हुआ है। भारत में इसका विस्तार पंजाब से लेकर असम तक है। यहाँ बहने वाली प्रमुख नदियां सतलज, गंगा, यमुना, घाघरा, चम्बल, टोन्स, सोन, गण्डक, कोसी, महानन्दा, दामोदर, ब्रह्मपुत्र आदि हैं। गंगा एवं ब्रह्मपुत्र नदियां पश्चिम बंगाल एवं बांग्लादेश में विशाल डेल्टा का निर्माण करती हैं।

3. थार का मरूस्थल- भारत के पश्चिमी भाग में राजस्थान राज्य स्थित है। इसके पश्चिमी हिस्से में सैकड़ों किलोमीटर लम्बा-चैड़ा बालू का विस्तार है। इसे थार का मरूस्थल कहते हैं। यहाँ वर्षा बहुत कम होती है। जगह-जगह रेत के टीले दिखाई देते हैं जिन्हें बालुका स्तूप (सैण्ड ड्यून) कहते हैं। यहाँ आवागमन का एकमात्र साधन ऊँट है। इसे रेगिस्तान का जहाज भी कहते हैं।

4.दक्षिण का पठारी भाग- दक्षिण का पठारी भाग, उत्तर के विशाल मैदान के दक्षिण में है। इसके उत्तर-पश्चिम में अरावली पर्वत, पश्चिम में पश्चिमी घाट पर्वत तथा पूरब में पूर्वी घाट पर्वत है। यह भाग अनेक छोटे-छोटे पठारो में विभाजित है। इनमें से प्रमुख हैं-बुन्देलखण्ड पठार, बघेलखण्ड पठार, छोटा नागपुर पठार, मालवा पठार, दकन का लावा पठार आदि। इस भाग में चम्बल, बेतवा, टोन्स, सोन, नर्मदा, तापी, दामोदर, महानदी, गोदावरी, कृष्णा एवं कावेरी नदियां बहती हैं। भारत का मानचित्र देखकर बताइएं इनमें से कौन-कौन सी नदियां-

- अरब सागर में मिलती हैं: ....।
- बंगाल की खाड़ी में मिलती हैं: ....।
- उत्तर के विशाल मैदान की ओर बहती हैं: ....।

5. तटीय मैदान एवं द्वीपसमूह- ये दक्षिण के पठारी भाग के पूरब एवं पश्चिम में समुद्र तट के सहारे लम्बे और संकरे तटीय मैदान हैं। पश्चिम की ओर के मैदान को पश्चिम तटीय मैदान तथा पूरब की ओर के मैदान को पूर्वी तटीय मैदान कहते हैं।

हमारे देश में समुद्र के मध्य अनेक द्वीप हैं। कई द्वीपों के समूह को द्वीप समूह कहते हैं। बंगाल की खाड़ी में अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह तथा अरब सागर में लक्षद्वीप द्वीप समूह है।

जिस प्रकार हमारे देश में कई प्रकार के प्राकृतिक विभाग हैं उसी तरह यहाँ के पेड़-पौध्ों, वनस्पतियों एवं जीव-जन्तुओं में विविधता पाई जाती है। हमारे देश में मुख्य रूप से पाँच प्रकार के वन पाए जाते हैं।

1. सदाबहार वन
2. पतझड़ या पर्णपाती वन
3. मरूस्थलीय या काँटेदार वन
4. पर्वतीय वन
5. वेलांचली या डेल्टाई वन

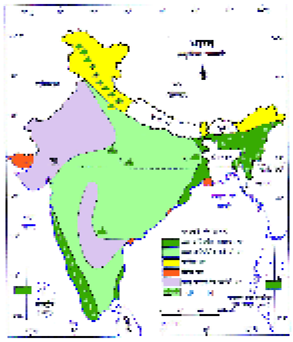

1. सदाबहार वन- पूरे साल हरे-भरे रहने के कारण इन्हें सदा बहार वन कहते हैं। इस प्रकार के वन अधिक वर्षा वाले गर्म स्थानों पर पाए जाते हैं। ये वन अत्यन्त घने होते हैं तथा जीव-जन्तुओं एवं वनस्पतियों में अत्यधिक विविधता पाई जाती है। भारत में इनका विस्तार पश्चिमी घाट उत्तर पूरबी क्षेत्र की पहाड़ियों एवं अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह में है। इन वनों में पाए जाने वाले प्रमुख वृक्ष रोजवुड, महोगनी, रबड़, ताड़, बाँस, आबनूस, नारियल आदि हैं।

2. पतझड़ या पर्णपाती वन- इन वनों को मानसूनी वन भी कहते हैं। वर्ष में एक बार शीतकाल के अन्त में यहाँ पाए जाने वाले वृक्ष अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं। इसलिए इन्हें पतझड़ या पर्णपाती वन कहते हैं। इन वनों का विस्तार पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश,

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड आदि राज्यों में है। इस प्रकार के वनों में शीशम, नीम, महुआ, बरगद, पीपल, आंवला, सेमल, पलास, बेल, खैर आदि वृक्ष पाए जाते हैं।

3. मरूस्थलीय या काँटेदार वन- इस प्रकार के वन कम वर्षा वाले पठारी और मरूस्थलीय स्थानों पर पाए जाते हैं। इन वनों में कीकर, खजूर, बबूल, खेजड़ी जैसे काँटेदार वृक्ष और झाड़ियाँ पायी जाती हैं। भारत में इनका विस्तार पश्चिमी एवं मध्य भारत के कम वर्षा वाले पठारी स्थानों तथा थार के मरूस्थल में है।

4. पर्वतीय वन- पर्वतीय क्षेत्रों में बढ़ती ऊँचाई के साथ तापमान एवं वर्षा में परिवर्तन होता है। इसके कारण पर्वतीय क्षेत्रों में विशेष प्रकार के वन पाए जाते हैं। इन्हें पर्वतीय वन कहते हैं। भारत में इन वनों का विस्तार हिमालय, विन्ध्याचल, सतपुड़ा एवं पश्चिमी घाट पर्वतों पर है। हिमालय क्षेत्र में देवदार, चिनार, स्प्रूस, सिल्वर फर, जूनिपर पाइन, बर्च आदि वृक्ष पाए जाते हैं। दक्षिण भारत के पर्वतीय वनों में मगनोलिया, लेरेच, सिनकोना आदि वृक्ष पाए जाते हैं।

5. वेलांचली या डेल्टाई वन- समुद्र के किनारे दलदली भागों एवं नदियों के डेल्टा में ये वन पाए जाते हैं। इनमें नारियल, ताड़, सुन्दरी आदि वृक्ष पाए जाते हैं। इन वनों का सर्वाध्िाक विस्तार पश्चिम बंगाल में है। सुन्दरी नामक वृक्ष की अधिकता के कारण पश्चिम बंगाल एवं बांग्ला देश में इन्हें सुन्दर वन के नाम से जाना जाता है।

प्रमुख वन्य जीव

वन्य जीवों में वन्य पशु, पक्षी, जीव-जन्तु और साँप आदि शामिल हैं। वन्य जीवों का प्राकृतिक आवास (घर) वन हैं, जहाँ वे स्वच्छन्द रूप से विचरण करते एवं रहते हैं। जनसंख्या वृद्धि के कारण हमारे वनों का तेजी से विनाश होता जा रहा है और वनों का क्षेत्रफल घटता जा रहा है जिससे वन्य जीवों की संख्या बड़ी तेजी से घटती जा रही है। कई वन्य जीव विलुप्त होते जा रहे हैं। इन्हें बचाएँ रखना आवश्यक है क्योंकि ये पर्यावरण सन्तुलन में सहायक हैं।

वन्य जीवों की सुरक्षा, विकास एवं स्वतंत्र विचरण के लिए सरकार द्वारा राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव अभयारण्य एवं पक्षी विहार आदि की स्थापना की जाती है। इनमें मानव द्वारा वन्यजीवों का शिकार करना वर्जित है।

अभ्यास

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) पृथ्वी पर ...... महासागर एवं .... महाद्वीप हैं।

(ख) संसार की सबसे लम्बी नदी .... है।

(ग) हिमालय पर्वत का विस्तार .. राज्य से .. राज्य तक है।

(घ) भारत में .... राज्य एवं .... केन्द्रशासित प्रदेश हैं।

2. नीचे लिखे वाक्यों के सामने (स) या (ग) का निशान लगाएँ-

(क) प्रायः पठार की ऊपरी सतह ऊबड़-खाबड़ होती है। ( )

(ख) प्रशान्त महासागर पृथ्वी के आधे भाग पर फैला है। ( )

(ग) राजस्थान में सदाबहार वन पाए जाते हैं। ( )

(घ) पतझड़ वन शीत ऋतु के अन्त में अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं। ( )

3. सही जोड़ा बनाइए -

भारत के राज्य	**राजधानी**
मध्य प्रदेश	दिसपुर
तमिलनाडु	भोपाल
हिमाचल प्रदेश	चेन्नई
असोम	शिमला

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) विश्व के मानचित्र पर भारत के पड़ोसी देशों को प्रदर्शित कीजिए ?

(ख) पठार किसे कहते हैं ? विश्व किन्हीं तीन पठारों के नाम बताइए ?

(ग) सुन्दर वन कहाँ पाए जाते हैं ? इन्हें हम सुन्दर वन क्यों कहते हैं ?

(घ) बालुका स्तूप से आप क्या समझते हैं ? ये भारत में कहाँ पाए जाते हैं ?

(ङ) राष्ट्रीय उद्यानों एवं वन्य जीव अभ्यारण्यों की स्थापना क्यों की जाती है ?